मिसाल पहल

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने **मिसाल परियोजना** की शुरूआत की है, जो **जनजातीय** [युवाओं में नेतृत्व कौशल विकसित](https://www.drishtiias.com) करने के लिये एक **महत्त्वाकांक्षी पहल** है।

- राज्यपाल **मंगुभाई पटेल** ने इस कार्यक्रम का **वर्चुअली उद्घाटन** किया और इसके महत्त्व को रेखांकित करते हुए इसे **रोल मॉडल तैयार करने** तथा [सामाजिक उत्तरदायित्व](https://www.drishtiias.com) के **मूल्यों को स्थापित करने** वाला बताया।

मुख्य बिंदु

- **विशेषताएँ:**
  - **युवा सशक्तीकरण:** जनजातीय छात्रों में **आत्मविश्वास**, **विज़न** और समस्या-समाधान क्षमताओं का विकास करना।
  - **क्षमता निर्माण गतिविधियाँ:** कार्यशालाओं, प्रशिक्षण शिविरों और **सामुदायिक भागीदारी** कार्यक्रमों का आयोजन करना।
  - **सामुदायिक-केंद्रित दृष्टिकोण:** जनजातीय युवाओं को स्थानीय **चुनौतियों की पहचान** करने और व्यावहारिक समाधान **नवोन्मेषित** करने हेतु प्रोत्साहित करना।
  - **नैतिक मूल्यों पर आधारित नेतृत्व:** समाज के प्रति उत्तरदायित्व और **नैतिक भाव** को सुदृढ़ करना।
- **गुजरात के साथ सहयोग:**
  - गुजरात ने **युवा-केंद्रित कार्यक्रमों** के माध्यम से सकारात्मक परिणाम प्राप्त किये हैं, जिन्हें मध्य प्रदेश अब साझा शिक्षा और अनुभव के माध्यम से **अनुकूलित** करना चाहता है।
  - यह [अंतर-राज्यीय सहयोग](https://www.drishtiias.com) सर्वोत्तम प्रथाओं को विविध क्षेत्रीय अनुभवों के साथ जोड़कर नीति कार्यान्वयन को समृद्ध बनाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/misaal-initiative